तापमान
अधिकतम 37.9 डिग्री
न्यूनतम 19.7 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 5 अक्टूबर 2026

11 परियोजना वर्कर्स ने मंत्री के पीए को सौंपा ज्ञापन



12 गोल्ड मेडल विजेता गुमड़ की बेटी किरण का स्वागत



खबर संक्षेप

स्कूटी को ट्रक ने मारी टक्कर, महिला घायल

गन्नौर। एनएच-44 पर करन ढाबे के पास ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार दंपती हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना में महिला घायल हो गई। एचएसआईआईडीसी बड़ी थाना पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-53, नोएडा निवासी अनिश शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह मेडिकल बिलिंग का काम करता है, जबकि उसकी पत्नी साधना सुहानी सिविल इंजीनियर हैं। 4 अक्टूबर को दोनों एक्टिवा पर चुलकाना धाम दर्शन के लिए आए थे। वापस लौटते समय एनएच-44 पर करन ढाबे के पास अनिश ने सड़क किनारे जाने के लिए स्कूटी धीमी की। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने कथित लापरवाही से स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में साधना सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

पोल्ट्री फार्म से चोरी का आरोपित गिरफ्तार

गोहाना। सदर थाना पुलिस ने पोल्ट्री फार्म से 80 हजार रुपये, सिलेंडर और कॉपर तार चोरी करने के मामले में उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के रतौल निवासी सोनू को गिरफ्तार किया है। न्यायालय के आदेश पर उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस के अनुसार, 25 अप्रैल को आर्य नगर निवासी परीक्षित ने शिकायत दी थी कि गांव लाठ स्थित उसके पोल्ट्री फार्म से नकदी, सिलेंडर और कॉपर तार चोरी हो गए। शिकायत में फार्म पर मुंशी का काम करने वाले शामली निवासी आमिर और उसके सहायक सोनू पर आरोप लगाया था।

खेत में काम को लेकर विवाद, मारपीट का आरोप

गन्नौर। पांची गुजरान गांव के रकबे में जमीन पर काम करने को लेकर हुए विवाद मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन लोगों पर केस दर्ज किया है। राजीव कॉलोनी, रोहतक निवासी अमरजीत ने पुलिस को बताया कि पांची गुजरान के रकबे में उनके परिवार की करीब 50 साल से जमीन है। वह अपने हिस्से में सड़क के साथ कैंट लगाने का काम कर रहा था, जिसका कुछ लोग विरोध कर रहे थे। 3 अक्टूबर को वह खेत पर गया था। विवाद की आशंका के चलते वह गन्नौर अनाज मंडी पहुंचकर मार्केट कमेटी कार्यालय के बाहर कार खड़ी कर दुकान में बैठ गया। आरोप है कि संदीप उसे खेत में मकान पर चलने के लिए कहने लगा। इसके बाद जब वह कार से जाने लगा तो राहुल निवासी गन्नौर और नवीन निवासी समालखा ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने कार में बैठे अमरजीत से मारपीट की और कार की चाबी तोड़ दी।

छोटूराम धर्मशाला में भाईचारा स्नेह मिलन समारोह, 36 बिरादरी और विभिन्न खापों के प्रतिनिधि हुए शामिल

समाज का अहित करने वालों के खिलाफ आखिरी सांस तक लड़ेंगे : कैप्टन अभिमन्यु

■ भाईचारा मजबूत करने के लिए गांव-गांव जाएंगे, समाज को बांटने वालों को पहचानने का आह्वान

सर छोटूराम के संदेश को याद करते हुए कहा कि दुश्मनों को पहचानना जरूरी है

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

प्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि समाज में भाईचारा मजबूत करने के लिए 36 बिरादरी की सरदारी, सामाजिक संगठनों और आम लोगों को एकजुट होकर संवाद बढ़ाना होगा। आपसी बातचीत से समाज में पैदा हुए भ्रम, अविश्वास और दूरियों को खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाईचारे में षड्यंत्र के कारण पैदा हुई खाइयों को पाटकर पूर्वजों से विरासत में मिले सामाजिक भाईचारे को मजबूत करने की जरूरत है। वह रविवार को गोहाना रोड स्थित छोटूराम धर्मशाला में सर्व समाज भाईचारा की ओर से आयोजित भाईचारा स्नेह मिलन समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। समारोह में 36 बिरादरी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



सोनीपत। छोटूराम धर्मशाला में भाईचारा स्नेह मिलन समारोह के पश्चात पत्रकारों से बातचीत करते प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु। फोटो : हरिभूमि

सामाजिक जागृति का प्रयास

कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि कार्यक्रम में लोगों ने आपसी बोलचाल और व्यवहार बढ़ाकर भाईचारा मजबूत करने का संकल्प लिया है। यह केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जागृति का प्रयास है। उन्होंने कहा कि अब इस विचार को गांव-गांव तक ले जाया जाएगा और लोगों को समाज को बांटने वालों को पहचानने के लिए जागरूक किया जाएगा। राजनीति में जाति और धर्म के इस्तेमाल के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक मंच से नहीं, सामाजिक मंच से बात कर रहे हैं।

उनके अनुसार कुछ लोग समाज को बांटकर अपना स्वार्थ पूरा करते हैं। अपनी व्यक्तिगत कमजोरियों, योग्यता, चरित्र और कर्म की कमियों को छिपाने के लिए जातियों के बीच विभाजन पैदा कर वोट की राजनीति की जाती है। उन्होंने लोगों से ऐसे तत्वों को पहचानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज के हित और अहित में अंतर समझाना तथा एक समाज को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने वालों को पहचानना भी है। पीठ में छुरा घोंपने संबंधी सवाल पर उन्होंने इतिहास में भाईचारा खंडित करने के प्रयासों का उल्लेख किया और सर छोटूराम के संदेश को याद करते हुए कहा कि दुश्मनों को पहचानना जरूरी है। कैप्टन अभिमन्यु ने बताया कि कार्यक्रम में मलिक, दहिया, गहलावत, खत्री, आंतिल, नैन और सरोहा सहित विभिन्न खापों के प्रतिनिधि तथा शहर के सामाजिक और व्यापारी संगठनों के लोग शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भाईचारा मजबूत करने के लिए अब गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद किया जाएगा।

समाज को ईमानदारी से आकलन करना चाहिए, जहर घोलने का काम किसने किया

भाजपा पर भाईचारा तोड़ने के आरोपों संबंधी सवाल पर उन्होंने फरवरी 2016 की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि समाज को ईमानदारी से आकलन करना चाहिए कि उस समय जहर घोलने का काम किसने किया और इसके पीछे कौन लोग थे। उन्होंने कहा कि समाज को स्वयं तय करना चाहिए कि कौन उसके हित में काम कर रहा है और कौन उसे बांटने का प्रयास कर रहा है। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि उनकी लड़ाई समाज के दुश्मनों से है और जो लोग समाज का अहित करेंगे तथा भाईचारा तोड़ने का प्रयास करेंगे, उनके खिलाफ वह जीवन की आखिरी सांस तक लड़ते रहेंगे।

खाप चौधरियों और नेताओं ने की कार्यक्रम में शिरकत

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बढ़खालसा, सेवानिवृत्त आईएएस युद्धवीर सिंह मलिक, गठवाला खाप के राष्ट्रीय महासचिव अशोक मलिक, नरवाल खाप के प्रधान भलेराम नरवाल, दहिया खाप के प्रधान सुरेंद्र बाणिया, पंवार खाप के प्रधान भानेराम, 360 खाप के प्रधान बिजेंद्र जटवाड़ा, सतगामा खाप के प्रधान मास्टर श्रीपाल, सरोहा खाप के प्रधान रणधीर सिंह सरोहा, लववंशीय खत्री खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र पांछी, लठवाल खाप के कार्यकारी प्रधान मलिक राज मलिक, हुड्डा खाप के पूर्व प्रधान धर्मपाल हुड्डा, श्योराण खाप के राष्ट्रीय प्रवक्ता सोमबीर आर्य, गन्नौर मार्केट कमेटी चेयरमैन निशांत छौक्कर, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जसवीर दोदवा सहित विभिन्न खापों, सामाजिक एवं व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्वर्णप्रस्थ नगरी में एक मंच पर दिखा सर्व समाज का भाईचारा



सोनीपत। भाईचारा स्नेह मिलन समारोह में विचार रखते प्रधान सेवानिवृत्त आईएएस युद्धवीर मलिक, मंच पर मौजूद मुख्यातिथि कैप्टन अभिमन्यु व अन्य।

सोनीपत। सर्व समाज भाईचारा की ओर से रविवार को छोटूराम धर्मशाला में भाईचारा स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें 36 बिरादरी और सर्व समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, जय जवान-जय किसान और सर छोटूराम अमर रहे के जयकारों से हुई। मुख्यातिथि पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने समाज को एकजुट होकर भाईचारा मजबूत करने का आह्वान किया। विभिन्न खापों के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। मंच संचालन प्राध्यापक सुभाष सिसौदिया ने किया।

हम खो रहे अपना भाईचारा : युद्धवीर मलिक

छोटूराम धर्मशाला के प्रधान एवं सेवानिवृत्त आईएएस युद्धवीर मलिक ने कहा कि समाज में भाईचारा और सेवाभाव कम होता जा रहा है। पहले गांव में होने वाले सामाजिक कार्यों में हर व्यक्ति भागीदारी निभाता था, लेकिन अब सामाजिक निष्ठा कमजोर हुई है। इसे मजबूत करना होगा।

बड़ों को फिर निभानी होगी जिम्मेदारी : साहब सिंह

उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री साहब सिंह नैन ने कहा कि समाज को जोड़ने के लिए सभी को साथ चलना होगा। आपसी संबंधों में आई गिरावट का असर आने वाली पीढ़ियों पर पड़ रहा है। इससे समाज को बचना होगा।

परिवार बचाएंगे तो समाज बचेगा : बढ़खालसा

मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढ़खालसा ने कहा कि परिवारों के टूटने से समाज भी कमजोर होता है। इसलिए परिवार को बचाना जरूरी है। उन्होंने स्वदेशी अपनाने और पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया।

भाई को भाई से जोड़ने का लें संकल्प : खरखौदा

खरखौदा विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि सभी को भाई को भाई से जोड़ने का संकल्प लेकर यहां से जाना चाहिए। छोटे-छोटे बदलाव भी समाज को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सर्व समाज को एकजुट करना सराहनीय : दहिया

दहिया खाप के प्रधान सुरेंद्र दहिया ने समारोह के आयोजन को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे विभिन्न बिरादरियों को एक मंच पर आने का अवसर मिला है। उन्होंने वर्ष 2016 की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय मृतकों के परिजनों के लिए घोषित सहायता राशि बढ़ाने में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कैप्टन अभिमन्यु, ओमप्रकाश धनखड़ और सुभाष बराला ने प्रयास किए थे। वहीं हिसार के सातरोड निवासी कलाकार विकास ने जागरूकता गीतों के माध्यम से अच्छे कर्म करने का संदेश दिया।

ओमेक्स सिटी में युवक पर कटर से हमला, जान से मारने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत



बहालगढ़ थाना क्षेत्र में महिला के साथ सहमति संबंध में रह रहे युवक पर उसके पति द्वारा कटर से हमला करने का मामला सामने आया है। युवक का आरोप है कि ओमेक्स सिटी में शराब के ठेके के पास उसका रास्ता रोककर थर्माकोल काटने वाले कटर से हमला किया गया। उसने किसी तरह अपना बचाव किया।

इसके बाद आरोपित जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। उपचार के बाद युवक ने बहालगढ़ थाना में शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कबीरपुर निवासी सुमित ने पुलिस को बताया कि वह फ्लेक्स बोर्ड बनाने का काम करता है और करीब दो माह से एक महिला के साथ सहमति संबंध में रह रहा है। 2 अक्टूबर को वह अपने दोस्त सोनू के साथ ओमेक्स सिटी स्थित शराब के ठेके के पास गया था। दोनों वहां से खाना लेने के लिए सड़क की तरफ जा रहे थे।

इसी दौरान महिला का पति सुनील वहां पहुंचा और उसका रास्ता रोक लिया। सुमित के अनुसार, सुनील ने थर्माकोल काटने वाले कटर से उस पर हमला कर दिया। उसने किसी तरह अपना बचाव किया, लेकिन हमले में घायल हो गया। आरोप है कि इसके बाद सुनील जान से मारने की धमकी देकर वहां से चला गया। सुमित उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचा।

■ घायल का अस्पताल में चल रहा इलाज जांच में जुटी पुलिस

उसने आरोप लगाया कि पत्नी के उसके साथ रहने को लेकर सुनील उससे रंजिश रखता है और इसी वजह से हमला किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गन्नौर थाने से चोरी का आरोपी फरार

» बाथरूम जाने का बहाना बनाकर पुलिस को चकमा दिया एक दिन पहले ही हुई थी गिरफ्तारी, तलाश में जुटी टीमें

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

गन्नौर थाना परिसर से चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। आरोपी के भागने की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस की कई टीमें आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। फरार आरोपी की पहचान बादशाही रोड, गन्नौर निवासी मनीष के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे शनिवार शाम चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसे थाना परिसर में रखा गया था और रविवार को न्यायालय में पेश किया जाना था। बताया गया है कि रविवार सुबह करीब 11 बजे आरोपी बाथरूम जाने का बहाना बनाकर थाना परिसर से बाहर निकला और पुलिस की निगरानी से बचकर फरार हो गया। पुलिसकर्मियों को उसके फरार होने का पता चला तो तलाश शुरू की गई। आसपास के क्षेत्रों में भी पुलिस टीमों को सक्रिय किया गया है।

बादशाही रोड पर रहने वाले मनीष को गिरफ्तार किया था



थाना प्रभारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन बात नहीं हो सकी। गन्नौर की बीएसटी कॉलोनी निवासी निशा देवी पत्नी स्व. सलींदर डांकल ने घर में चोरी की शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार एक अक्टूबर को उसके दोनों बच्चे स्कूल गए थे और वह सुबह करीब साढ़े आठ बजे काम के लिए घर से बाहर गई थी। दोपहर करीब 2:20 बजे उसका बेटा सचिन स्कूल से घर लौटा तो ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी से सोने-चांदी के आभूषण, 11,720 रुपये नकद, गैस सिलेंडर, इंडक्शन चूल्हा, दो किलो सिक्के और मोबाइल फोन चोरी मिले थे। पुलिस ने मामले में शहर के बादशाही रोड पर रहने वाले मनीष को गिरफ्तार किया था।

कस्सी और डंडों से हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना मोहाना पुलिस ने कस्सी और डंडों से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में तीसरे आरोपित गांव रोलद लतीफपुर निवासी सोनू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस के अनुसार अभिमन्यू ने 18 अगस्त को शिकायत दी थी कि 16 अगस्त को खेत में पानी लगाने को लेकर उसकी विरेन्द्र उर्फ बंजारी से कहासुनी हुई थी। अगले दिन अभिमन्यु अपने चचेरे भाई विकास के साथ खेत जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में विरेन्द्र उर्फ बंजारी और सोनू ने उनका रास्ता रोक लिया। इसके बाद सुंदर, छत्तर, विरेन्द्र की पत्नी, छत्तर की पत्नी और विजयपाल समेत अन्य लोगों ने कस्सी और डंडों से उन पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे मोहित के हाथ और सिर पर भी हथियार से वार किया गया। पुलिस ने मामले में पहले विरेन्द्र उर्फ बंजारी और सुरेन्द्र को गिरफ्तार किया था। अब सोनू को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया है।

एचटेट 2025 : सोनीपत केंद्र पर 900 से ज्यादा अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन

बोर्ड ने 1100 का रखा था लक्ष्य, सुबह से दोपहर तक लगी रही लंबी लाइनें, जल्द जारी होगा संशोधित परिणाम

सत्यापन के लिए केंद्र पर पांच काउंटर बनाए गए और पांच बायोमेट्रिक मशीनें लगाई गईं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी की ओर से रविवार को एचटेट 2025 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन कराया गया। सोनीपत में मुरथल अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए केंद्र पर 900 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने बायोमेट्रिक सत्यापन कराया। बोर्ड ने सोनीपत केंद्र पर करीब 1100 अभ्यर्थियों के सत्यापन का लक्ष्य रखा था।

सोनीपत के अलावा पानीपत के समालखा, उत्तर प्रदेश के बागपत और दिल्ली से भी अभ्यर्थी सत्यापन के लिए पहुंचे। भीड़ को देखते हुए बोर्ड अधिकारियों, जिला शिक्षा विभाग और पुलिसकर्मियों ने व्यवस्था संभाली। अभ्यर्थियों को हालांकि कई घंटे लाइन में इंतजार करना पड़ा। सत्यापन के लिए केंद्र पर पांच काउंटर बनाए गए और पांच बायोमेट्रिक मशीनें लगाई गईं। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों के पहचान पत्र और प्रवेश पत्र की जांच की गई। सुबह एक मशीन में अंगूठे के निशान को लेकर करीब 15 मिनट तक तकनीकी समस्या आई, जिसे बाद में ठीक कर लिया गया। सुबह से ही महिला और पुरुष अभ्यर्थियों की अलग-अलग लाइनें लग गई थीं। शाम चार बजे तक बायोमेट्रिक सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

सोनीपत जिले में 30-31 जुलाई 2025 को एचटेट लेवल-1 (पीआरटी), लेवल-2 (टीजीटी) और लेवल-3 (पीजीटी) की परीक्षा हुई थी। जिले में कुल करीब 26 हजार अभ्यर्थियों में से 21113 ने परीक्षा दी थी, जबकि 4887 अनुपस्थित रहे थे। परीक्षा के बाद प्रदेशभर में 25 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई थीं। अभ्यर्थियों ने बोर्ड को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से शिकायतें दी थीं। वर्ष 2025 की एचटेट परीक्षा का परिणाम 22 अगस्त 2025 को जारी किया गया था। प्रश्नपत्रों में गलतियों को लेकर उठे सवालों और अभ्यर्थियों की शिकायतों के बाद अब शिक्षा बोर्ड ने सरकार के निर्देशानुसार परीक्षा परिणाम संशोधित करने का निर्णय लिया है।



सोनीपत। पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय में बने केंद्र पर बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए लगी अभ्यर्थियों की लाइन।

ये बोले अधिकारी

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पांच काउंटर लगाए गए थे। सोनीपत में करीब 1100 अभ्यर्थियों के सत्यापन का लक्ष्य था, लेकिन शाम तक 900 से ज्यादा अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन हुआ है।

-नवीन गुलिया
जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

मुठभेड़ में घायल रोहित पर पुलिस टीम पर फायरिंग का केस दर्ज

■ अस्पताल से छुट्टी के बाद पुलिस अलग-अलग मामलों में रिमांड पर लेकर होगी पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

बारोटा-छतेहरा के बीच शनिवार रात पुलिस मुठभेड़ में पैरों में गोली लगने से घायल गांव लाडपुर निवासी रोहित की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस टीम पर फायरिंग के आरोप में कुंडली थाना पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार घेराबंदी के दौरान रोहित ने एसटीएफ सोनीपत और दिल्ली अपराध शाखा की टीम पर दो गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैरों में लगी। फिलहाल वह अस्पताल में उपचाराधीन है। छुट्टी मिलने के बाद पुलिस उसे अदालत में पेश कर रिमांड पर लेगी।

दो करोड़ की रंगदारी के मामले में भी होगी पूछताछ

रोहित पर सोनीपत के एक व्यापारी से दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप है। सिटी थाना पुलिस इस मामले में उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि रंगदारी मांगने की योजना किसके कहने पर बनाई गई थी और इसमें उसके साथ कौन-कौन लोग शामिल थे।

गायक की गाड़ी पर फायरिंग का आरोप

भिवानी के खरक कलां में हरियाणवी गायक दिलेर खरकिया की रेंज रोवर गाड़ी पर हुई फायरिंग के मामले में भी रोहित से पूछताछ की जाएगी। पुलिस उसकी भूमिका और वारदात के पीछे के कारणों की जांच करेगी। इसके अलावा हिसार के बाडो टोल प्रबंधक संजय शुक्ला की हत्या के मामले में भी उसका नाम सामने आया है। इस मामले से जुड़े तथ्यों को लेकर भी पूछताछ की जाएगी। वहीं अलग-अलग मामलों में रोहित की भूमिका सामने आने के बाद पुलिस वारदातों की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। पूछताछ में उसके साथ जुड़े लोगों और अन्य वारदातों में उनकी भूमिका का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा। एसटीएफ सोनीपत प्रभारी अजय धनखड़ के अनुसार रोहित को संगठित अपराध से जुड़े मामले में रिमांड पर लेने की तैयारी है। पुलिस उसके लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से कथित संबंधों की भी जांच कर रही है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसे अदालत में पेश कर संबंधित मामलों में रिमांड लिया जाएगा।

एसटीएफ सोनीपत के उपनिरीक्षक विकास की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है।

शिकायत के अनुसार शनिवार रात बारोटा-छतेहरा क्षेत्र में पुलिस टीम ने रोहित की घेराबंदी की थी। पुलिस का दावा है कि खुद को घिरा देखकर उसने टीम पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस अब उससे हथियार मिलने और पुलिस टीम पर फायरिंग की परिस्थितियों को लेकर पूछताछ करेगी।

पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

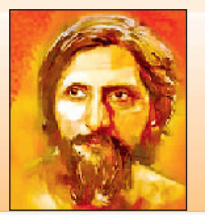

उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था।





कहानी

अशोक जैन

दूसरे छोर पर

मौसम में ठंडक बढ़ने लगी है। दूर-दूर तक खामोशी है। लगता है कि उदासी सशरीर शाम के रूप में आकर फैल गई है। बरामदे में आराम कुर्सी पर अधलेटी सी मिसेज खन्ना मानसिक तपिश से अकुला रही है। दूर, बहुत ऊंचे तारों की ओढ़नी का चमकीलापन समेटे आकाश की ओर देखती उनकी आंखें, उनके होंठ आज इस तरह मौन हैं, जिनमें शाम की उदासी का आभास होता है, परंतु मन में खौलता बवंडर अब शांत हो चला है। कामवाली बाई दूसरी बार चाय लाई। 'मेम साहब, चाय लीजिए। दूसरी बार लाई हूं।' उसके स्वर में बेचारगी स्पष्ट है। 'ना, काकी। चाय नहीं चाहिए। बड़ी तपिश लग रही है।'

एक हल्की दर्द भरी मुस्कान उनके होंठों पर उभरी। 'तो कुछ ठंडा बना दूं क्या?' उसने फिर पूछा। 'नहीं, रहने दो।' नौकरानी ने अचकचा कर उनकी ओर देखा। फिर मन ही मन कुछ बुदबुदाते हुए लौट गई। वे आज किस गहन चिंता में हैं, कोई नहीं समझ सका। समझे भी कौन? नौकरानी, रामू कौन है जो उनके व्यक्तित्व को पढ़ सके। हां, पास मेज पर पड़ा वह अधखुला पत्र उनकी समस्त चेतना को जकड़े हुए है। मिसेज खन्ना का हाथ अचानक अपने माथे पर जा टिका। हल्की सिकुड़न से भरा माथा और दो-चार चांदी से सफ़ेद बाल, जो सहसा ही अंगुलियों को छू गये। आज आंसू भी उमड़ते हैं तो जैसे बीच में ही कोई उन्हें मोती सा चुग लेता है। जीवन का एक-एक पृष्ठ खुलता है और पहलू बदलती वे मिसेज खन्ना, सुविधा की मां नहीं, आज बस मधु बन गई है। शून्यता और अकेलेपन से भरते मन को धीरे कांपते हाथों का स्पर्श देती उनकी आंखें फूट पड़ने को हो गईं, पर अपने को संयत करते हुए वे सोचने लगी हैं: अब तो सब कुछ समाप्त हो गया --। किसके लिए रोये? क्यों रोये? दर्द से भीगे ठंडे उच्छवास हवा में वाष्प बन कर उड़ने लगे.....सुविधा ने पत्र में लिखा है: 'मम्मी! बीते महीने से ही यथा समय मैं तुम्हें पत्र नहीं लिख सकी। बाईगाड, बहुत व्यस्त रही। वो जो हमारे साथ सूरज था न, इसी सप्ताह विदेश जा रहा है। हम दोनों काफी समय से लिव इन में थे। अच्छी तरह जानते हैं एक-दूसरे को! इतने बड़े महानगर में सहारे को कोई तो चाहिए था न- बस!! वैसे भी वह हमारे मेडिकल कॉलेज का हीरो है, ममा। उसकी जिद थी कि विदेश जाने से पहले हम शादी कर लें। इतनी जल्दी में हो भी क्या सकता था! हमने कोर्ट मैरिज कर ली है। मम्मी! डोंट माइंड प्लीज। छोड़ो इन झूठे रीति-रिवाजों को। हां, यदि तुम्हारी बड़ी इच्छा होगी तो उसके लौट आने पर फेरे भी लगवा लेना। क्यों ठीक है न ममा? कालेज बंद होगा और मैं शीघ्र ही घर के लिए चल दूंगी। सूरज को हमने सीआफ कर दिया है।'

मिसेज खन्ना के मन में पत्र की पंक्तियां पानी में डोलते दियों सी झिलमिलाती हैं और उनकी कांपती लौ में मन जैसे आगे कुछ पढ़ ही नहीं पाता ! उनकी बेटी ने विवाह कर लिया! सूचना भी भेज दी है!!! मन में दबी कुंठा उभर आई। क्यों नहीं!! उनके विगत जीवन के इतिहास को भी निर्ममता से कुरेद दिया है। बस एक पत्र ने-- मन अपने धुंधलाते से अतीत में भटक गया है... वे भी अपने मां-बाप की इकलौती संतान थी। दिनेश से जब उन्होंने विवाह किया था, तब उनकी परिस्थिति में इतना भर ही तो अंतर था कि मां-बाप ने दबी जुबान से सहमति दिखलाई : 'बेटा, तुम पढ़ी-लिखी हो, समझदार हो अपना अच्छा बुरा समझती हो। पर- 'पर क्या मां? मैं भी तो अपना भला सोच सकती हूं न!'

उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था। 'मधु, वह रिश्ता तो कहने भर को ही था। मन और शरीर तो उससे अबंधा और अछूता ही रहा--' 'इतना बड़ा अविश्वास! मुझे पहले क्यों नहीं बताया?' वह लगभग चीख पड़ी थी। वह चुप हो गया था और दोनों ने अपने रास्ते अलग-अलग कर लिए थे। तब सुविधा नन्हीं सी ही थी। मन की शून्यता के रहते उन्होंने सुविधा को अमिट दुलार देकर पाला-पोसा था। अपना सर्वस्व उन्होंने अपनी सुविधा पर ही केंद्रित कर दिया था। जीवन की हारी बाज़ी को मानो विजय में बदल डालना चाहती थी। दिनेश ने कई बार सुलह की कोशिश की, पर उस छलाव में वे दोबारा नहीं पड़ना चाहती थी। उनकी सुविधा बड़ी हो रही थी। कितनी रातें चिंताओं में कट जाती थीं। अपना क्या है, पर सुविधा को कोई दुःख न हो। अपनी बेटी में ही वह अपने आप को देखती थी-किंतु वे ठिठकीं : भूल कहां हो गई, वे समझ नहीं पा रही थीं। उन्होंने शायद अति आदर्श के पीछे ही तो नहीं अपने को खो दिया है, यानि इस बार फिर वो छली गई। मन का पोर-पोर जैसे व्यथा से भर उठा, किंतु अब वे बिखरेंगी तो फिर अपने को सहेज भी न सकेंगी। चेहरे पर विषाद फैलता जा रहा था। मन के कोने हल्के दर्द से पीड़ित होकर सिसकने लगे थे। जब सुविधा नन्हीं सी थी, तब कैसी बातें किया करती थी। और फिर उम्र के विकास के साथ-साथ वयस्क और गंभीर होती सुविधा -- यादें क्रमवार उमड़ने लगी थीं: कितनी संयत, कितनी धीर! कभी-कभी उसके गांभीर्य से वे घबरा उठतीं। वे चाहती थीं कि वह खूब चहके ताकि उनका रंगहीन जीवन मूकता की निस्पंदता से न सोया रहे। सुविधा की हंसी की खातिर वे बार-बार हंसती थीं और आज वही सुविधा -!! वह सोचते-सोचते क्षण भर को ठहरी! अपने भाग्य की विडंबना को याद कर मन तल्खी से भर उठा। कहीं सुविधा को भी उन लोगों ने न अपनाया तो! उस अभागिन के साथ तो उसकी बदनसीब मां का इतिहास भी है, पर सुविधा तो बड़े विश्वास से कहती है:' सूरज के पिता उसे बेटी की तरह दुलराते हैं।' सहसा बेटी का मोह भरा रूप, उसकी कोमल कामना जैसे उसके मन में भी झांक उठी और मन ममता से भीग उठा।

तभी घरघराती हुई मेट्रो ट्रेन से उनकी तंद्रा भंग हुई। उसने अपने आप को समेटा। वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था सुविधा के स्वागत के लिए। वातावरण में हल्की सी चांदनी फैल चुकी थी। झटके से उठने पर कुर्सी देर तक हिलती रही। बादलों का एक गुच्छा पश्चिम से उभरने लगा था, शायद बारिश भी हो। देर तक उसे देखते हुए वे अंदर की ओर बढ़ गई। कमरे में पहुंच कर उन्होंने आवाज लगाई: 'काकी, जरा एक कप चाय दे जाना।'

वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था

लघुकथा

इंतजार

मनहरी पिछले तीन दिन से खटिया पर पड़ी है। हाथ-पैर ऐंठने लगे हैं। उम्र नब्बे के पार होने को आई। परलोक गमन का समय आ पहुंचा था। पति तो कई वर्ष पहले ही भगवान को प्यारे हुए। एक बेटा और एक बेटी, बुढ़ापे का यही सहारा हैं। बेटा दिल्ली में सरकारी अफसर है। उसकी बहू भी वहीं किसी स्कूल में टीचर है। उन्हें मां का हाल-चाल जानने का वक्त ही कहां मिला, बुढ़ापे में कैसे वह चूल्हा जलाती है, कैसे रहती है और कैसे खाती-पीती है ?..हाँ, बेटी जरूर ससुराल से आती-जाती रही। मां का हाल जानने की चिंता और मां के प्रति उसकी सहानुभूति सदैव रही। दामाद भी उसके साथ दस-बीस रोज में आते-जाते रहे। घर में नाती-नातिन खूब धमा-चौकड़ी मचाते हैं। उनके कारण मनहरी का मन लगा रहता था। पति की यादें मनहरी के साथ हमेशा से रही। इस उम्र में उनकी यादों के सहारे वह जीती रही। जोड़-तोड़कर सब तो बेटे पर लगा दिया था। उसे पढ़ाया-लिखाया, नौकरी लगाया और दिल्ली में मकान भी बनवा दिया। कहता था- सब वहीं रहा करेंगे। लेकिन बाद में कहने लगा, शहर में बसेरा मुश्किल है, हमारा गुजर भी ठीक से नहीं हो पाता। उम्र बीत गई...अब किसी से क्या शिकवा-शिकायत, उसकी वो जाने?..गांव का घर भी तो खाली नहीं छोड़ा जा सकता था।



डॉ. सुरेश वशिष्ठ

शायद इसी से पिछले कुछ वर्षों में मनहरी को पति की बहुत याद आती रही। घर के निर्जन कोने में खटिया पर पड़ी वह उनका स्मरण करने लगती थी।...कितना प्रेम था उन्हें मनहरी से, खांसी भी आती तो बेचैन हो उठते। गांव के दवाघर से तुरन्त दवा लेने दौड़ पड़ते। घर के काम में भी हाथ बंटाते। अब इस उम्र में कैसे भी काम-धाम निबटा ही लेती। ललिता जब भी आती, झाड़-बुहारकर घर को साफ-सुथरा संवार देती। हर चीज को करीने से जगह पर रखती। मां के खाने-पीने, सेवा-सुश्रुषा का ध्यान रखती। दामाद भी जब तक रहते, किसी ना किसी काम को संवारने में ही लगे रहते। बुढ़ापे में जो पेंशन मिलती रही, उसी में गुजर होता रहा। छोटी नातिन से नानी को बहुत लाड है। वह नानी से खूब बातें करती और नानी की गोद में ही सिमटी रहती।

मनहरी का मन विभोर होने लगता। बेटा मनोज तो महीनों में घर आता था। घर आने पर हमेशा उसे वापस जाने की जल्दी लगी रहती थी। कभी अकेला तो कभी पत्नी को साथ लिए। पोते-पोती तो बहुत कम गांव में आते थे। उन्हें तो पढ़ाई से फुर्सत ही नहीं। दादी से मोह भी नहीं। पैदा भी दिल्ली में हुए और गांव में आना-जाना कम ही रहा। बहू हाल-चाल तो पड़ोसी के फोन पर भी जान लेती थी, लेकिन बुढ़ापे की प्रीत को वह कभी नहीं समझ पाई। मनहरी हमेशा उस प्रीत की जरूरत में कुढ़ती रही। ललिता मां के उलझे बालों को संवारती, पैरों में मालिश करती, कपड़े बदलती, नहलाती-धुलाती और सलीके से सब काम निबटा लेती। मनोज की बहू इन कामों से दूर ही रहती रही। मां की तबीयत को सुनकर बेटा और बहू आ तो गए, लेकिन उन्हें वापस जाने की बेचैनी बहुत थी। इंद्र काका मनहरी का हाल जानने दिन में कई बार आते। ललिता से सब पूछते और कुछ काम रहता तो करते भी।

ललिता तो खटिया से दूर जाती ही नहीं थी। बीच-बीच में आंसू बहाने लगती और मां की यादों में गुम रहती। बेटा उसे डांट देता, कहता - 'रोती क्यूं है, अब मां को तो जाना ही है। मां तो फिर भी नब्बे पार कर गई, लोग तो सत्तर-अस्सी भी नहीं पकड़ पाते। रो-धोकर हमारा भी मन मैला न कर! रोने का कोई मतलब नहीं।...हमें देख, ड्यूटी छोडकर यहां बैठे हैं। वहां जवान लड़की को पड़ोसियों के भरोसे छोड़कर आए हैं। वे हर दिन हमारी राह तकते हैं। अम्मा का भरोसा क्या, जाने को अभी चली जाएं, ना जाएं तो दस दिन बिता दें ! हम तो ऑफिस छोड़कर आ ही गए। इंतजार भी बहुत हुआ...सोचा था, अंतेष्ठी और तेरहवीं जल्दी निपटाकर लौट जाऊँगा लेकिन उनकी सांस है कि छूटती ही नहीं। राम भला करे...उम्र हो गई। आगे कष्ट ही बढेगा।' बेटी दर्द में तड़प उठती, कहती कुछ नहीं। मनहरी की सांसें अटकी ही रही। इंतजार कर बेटा-बहू लौट गए। ललिता वहीं रही। उसने मां की सेवा में दिन-रात एक कर दिया। आठवें दिन मनहरी ने आंखें खोली। बेटी खुश हुई। धीरे से उसने कहा-' भाई कहाँ है?' बेटी बोली- 'वह तो चला गया। कल तक यहीं था, भाभी भी यहीं थी।'

मनहरी की आंखों से आंसू टपक पड़े। धीरे से उसने कहा- 'गंगाजल डाल दे।' ललिता रोती हुई गंगाजल लेकर आई। माँ के मुख में कुछ बूंदें डाली और प्राण हवा हो गए। बेटी पहले तो कुछ समझ न सकी और फिर पछाड़ खाकर गिर पड़ी। इंद्र काका ने मनहरी की आंखों पर हाथ रखा और पलकें मूंद दी गई। नातिन भी रो-कर नानी की गोद में सिमट गई। दामाद दूर खड़ा आंसू बहाता रहा। इंद्र काका माथे पर हाथ रखकर बैठ गए। बेटे को इतला दे दी गई और उसका इंतजार होने लगा।

कवि कॉर्नर

कविता | सुधीर ढांडा कौल



दिल की बात

बचपन मे हम भी उड़ाते थे पतंग,
उड़ाते उड़ाते हो जाती थी रात ,
छत पर बैठे बैठे करते रहते थे
हम अपनी पतंग से दिल की बात।

दूसरों की पतंग काटने का हमे
बहुत चाव था,और काट ही लेते थे,
जब कट जाती थी पतंग हमारी
झट छत से कूदकर भाग लेते थे।

दूसरों की पतंग काटने पर खुशी ,
अपनी कटने पर दर्द होता था,
वो बचपन भी क्या खूब था,
कभी दिल हँसता, कभी रोता था।

जब कभी देखते हैं उड़ती हुई पतंग
तो बचपन याद आता है,
थमता नही ये वक्त, कटी पतंग की तरह
दूर निकल जाता है।

दूसरों की पतंग काटने में उस वक्त
'सुधीर, माहिर हुआ करता था,
उस वक्त मेरी पतंगबाजी का किस्सा जग
जाहिर हुआ करता था।

कविता | सपना



बचपन

वो माँ का प्यार,पापा की परवाह
वो दुलार बचपन का,बहुत याद आता है ।

जब कट्टी बट्टी से दोस्ती निभती थी
जब तकरार सिर्फ़ चुटकी भर की थी
वो रिश्ते बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो हँसना बेवजह,रोना बेझिझक
वो रूठना मनाना दोस्तों का, बहुत याद आता है ।

जब घाव सिर्फ़ घुटने पर थे
जब जीत हार दो पल की थी
वो खेल बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो घंटी स्कूल की, बस्ता और स्लेट
वो छुट्टियों में नानी का घर,बहुत याद आता है ।

जब सपनें नींद नहीं उड़ाते थे
जब हम सारी खुशियाँ ख़रीद लाते थे वो
सुकून नासमझ होने का,बहुत याद आता है ।

वो महल मिट्टी के,कश्ती काग़ज की
वो बारिशें बचपन की,बहुत याद आती हैं ।

जो गली पहचानती है आहट मेरी
जिस घर में गूँजती है आवाज मेरी
वो आसमाँ मेरे शहर का ,बहुत याद आता है ।

न कल की फ़िक्र,न आज का बोझ
वो पहला पन्ना जीवन का,बहुत याद आता है ।

कवि सम्मेलन का प्रतिभागिता सम्मान



व्यंग्य | कृष्ण गोपाल विद्यार्थी



कवि सम्मेलन का पंडाल अभी पूरी तरह खाली भी नहीं हुआ था, कुर्सियों पर चाय के खाली कुल्हड़ और समोसे के चिकने कागज़ हवा में उड़ ही रहे थे कि महाकवि 'व्यथित' जी ने मंच के कोने में जाकर अपनी जेब टटोली। कविता तो खैर उन्होंने ऐसी पढ़ी थी कि सामने बैठे कुल तेरह श्रोताओं में से सात नींद में चले गए थे, पांच अपने फोन पर रील्स देख रहे थे और एक आयोजक का साला था, जिसे हॉल की चाबी जमा करानी थी। किंतु महाकवि के चेहरे पर जो चमक थी, वह किसी ऑस्कर विजेता जैसी थी। हाथ में था सौ रुपये के लैमिनेशन में मढ़ा हुआ रंग-बिरंगा गत्ते का टुकड़ा, जिस पर सुनहरे अक्षरों में अंकित था-'काव्य-शिरोमणि प्रतिभागिता सम्मान'।

कवि सम्मेलन भले ही शाम सात से आठ चला हो, लेकिन असली काव्य-कर्म तो रात नौ बजे शुरू होना था। ऑटो में बैठते ही व्यथित जी ने सबसे पहले उस प्रमाण पत्र की ऐसी तस्वीर खींची, जिसमें उनके चेहरे की शिकन कम और आयोजक संस्था का नाम साफ़ दिखे। इसके बाद शुरू हुआ आधुनिक साहित्य का सबसे कठिन और अनिवार्य अनुष्ठान-'फेसबुकिया कृतज्ञता ज्ञापन'। कैप्शन गढ़ा गया, जिसमें विनम्रता की चाशनी में डूबा हुआ आत्म-प्रचार उफान मार रहा था:"आज 'अंतरराष्ट्रीय साहित्य संगम' गुप्ता जी के बेसमेंट में आयोजित विराट अखिल भारतीय काव्य निशा में देश के मूर्धन्य विद्वानों के सम्मुख अपनी तुच्छ रचनाएँ प्रस्तुत करने का पावन सुअवसर प्राप्त हुआ। अपार जनसमूह की तालियों की अनवरत गड़गड़ाहट और साहित्य-प्रेमियों के इस अगाध स्नेह से अभिभूत हूँ। इस अद्वितीय, ऐतिहासिक और अविस्मरणीय सम्मान हेतु अग्रज संयोजक श्री चुन्नीलाल जी का कोटिशः धन्यवाद एवं हार्दिक आभार! आपका यह ऋण जीवन भर नहीं चुका सकूँगा।" संयोजक चुन्नीलाल जी, जो हॉल का किराया बचाने के लिए बिजली का मेन स्विच पहले ही गिरा चुके थे, ने नोटिफिकेशन देखते ही तुरंत कमेंट दागा- "भाई व्यथित जी, आपकी कालजयी पंक्तियों ने आज पूरे ब्रह्मांड को हिला कर रख दिया। आप सरस्वती के वरदपुत्र हैं।" हकीकत यह थी कि उस हॉल में अगर कोई हिला था, तो वह पंखे का टूटा हुआ ब्लेड था, लेकिन साहित्य का यह अलिखित नियम है: 'तुम मेरी पीठ सहलाओ, मैं तुम्हारी जांघ पर तमगा टांगूँगा।' आधुनिक काव्य-जगत में अब कविता की उम्र उतनी ही रह गई है जितनी देर में प्रमाण पत्र की फोटो अपलोड होकर पचास 'लाइक' न बटोर ले। श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती। उस गत्ते के टुकड़े की कीमत यह है कि उसके लिए कवि अपनी कार का पेट्रोल फूंकता है, संयोजक के हर लतीफे पर ज़बरदस्ती अट्टहास करता है और फिर घर लौटकर दुनिया को यह विश्वास दिलाने में जुट जाता है कि कबीर और तुलसी के बाद अगर कोई बचा है, तो बस वही है- हाथ में प्रमाण पत्र थामे, कैमरे की ओर तिरछी मुस्कान फेंकता हुआ!

श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती।

कुछ हटकर

बीएएमएस : हेल्थकेयर सेक्टर में बनाएं मजबूत पहचान



डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

हेल्थकेयर सेक्टर के विस्तार के साथ आयुर्वेद और ट्रेडिशनल सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन में भी करियर के अवसर बढ़ रहे हैं। बीएएमएस ऐसा अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉडर्न मेडिकल साइंसेज की बेसिक नॉलेज भी दी जाती है। यह कोर्स क्लिनिकल प्रैक्टिस, रिसर्च, वेलनेस, फार्मास्यूटिकल्स और गवर्नमेंट सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में करियर के रास्ते खोल सकता है।बीएएमएस में विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना एवं कार्यप्रणाली, रोगों की पहचान, आयुर्वेदिक डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट की जानकारी दी जाती है। प्रमुख विषयों में रचना शरीर, क्रिया शरीर, पदार्थ विज्ञान, द्रव्यगुण विज्ञान, रसशास्त्र एंड भैषज्य कल्पना, रोग निदान, कायचिकित्सा, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एंड स्त्री रोग तथा कौमारभृत्य शामिल हैं। क्लिनिकल ट्रेनिंग और इंटर्नशिप भी कोर्स का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

प्रमुख विषय

बीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित कर सकते हैं। इनमें कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एवं स्त्री रोग, कौमारभृत्य, द्रव्यगुण तथा स्वस्थवृत्त एवं योग प्रमुख हैं। आज केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है। बीएएमएस स्टूडेंट्स को कम्युनिकेशन, पेशेंट काउंसलिंग, डॉक्यूमेंटेशन, डिजिटल लिटरेसी, इंटरपर्सनल स्किल्स और रिसर्च स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए। पेशेंट को सरल भाषा में ट्रीटमेंट समझाना और हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी का बेसिक ज्ञान रखना प्रोफेशनल ग्रोथ में मदद कर सकता है।



प्रमुख करियर रोल्स

- आयुर्वेदिक फिजिशियन
- मेडिकल ऑफिसर
- क्लिनिकल कंसल्टेंट
- पंचकर्म कंसल्टेंट
- वेलनेस कंसल्टेंट
- रिसर्च एसोसिएट
- हेल्थकेयर मैनेजमेंट प्रोफेशनल

हायर स्टडीज के विकल्प

सबीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स एमडी, एमएस पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स और पीएचडी जैसे हायर स्टडीज ऑप्शंस चुन सकते हैं। हेल्थकेयर मैनेजमेंट, पब्लिक हेल्थ, योग, न्यूट्रिशन और वेलनेस जैसे इंटरडिसिप्लिनरी क्षेत्रों में अतिरिक्त क्वालिफिकेशन भी उपयोगी हो सकती है।

एंटरप्रेन्योरशिप और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट

सरकारी बीएएमएस ग्रेजुएट्स अनुभव और आवश्यक नियमों का पालन करते हुए आयुर्वेदिक क्लीनिक, पंचकर्म सेंटर, वेलनेस सेंटर या हेल्थकेयर कंसल्टेंसी शुरू कर सकते हैं। आयुर्वेदिक मेडिसिन्स, हर्बल प्रोडक्ट्स और वेलनेस सर्विसेज से जुड़े बिजनेस भी संभावित विकल्प हैं।

- बीएएमएस के बाद इनकम

बीएएमएस के बाद इनकम क्वालिफिकेशन, एक्सपीरियंस, लोकेशन, जॉब प्रोफाइल, क्लिनिकल एक्सपर्टाइज और प्रैक्टिस मॉडल पर निर्भर करती है। गवर्नमेंट जॉब में पे स्ट्रक्चर संबंधित सरकारी नियमों के अनुसार होता है, जबकि प्राइवेट प्रैक्टिस और बिजनेस में इनकम पेशेंट बेस, सर्विसेज और बिजनेस स्केल से प्रभावित हो सकती है। बीएएमएस उन स्टूडेंट्स के लिए उपयोगी करियर विकल्प हो सकता है, जिनकी रुचि आयुर्वेद, हेल्थकेयर, पेशेंट केयर और वेलनेस में है।

मोटिवेशनल

सही समय का इंतज़ार नहीं, शुरुआत ज़रूरी



विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा लगभग हर व्यक्ति के भीतर होती है। कोई प्रतियोगी परीक्षा में सफलता चाहता है, कोई व्यवसाय शुरू करना चाहता है, कोई किताब लिखना चाहता है, कोई नई भाषा सीखना चाहता है तो कोई अपने जीवन की दिशा बदलना चाहता है। सपने अलग हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने के रास्ते में एक समान बाधा अक्सर दिखाई देती है, सही समय का इंतज़ार।हम अक्सर खुद से कहते हैं कि जब परिस्थितियां बेहतर होंगी, समय अधिक मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा या परिवार और समाज का पूरा सहयोग मिलेगा, तब शुरुआत करेंगे। लेकिन जीवन का अनुभव बताता है कि आदर्श परिस्थितियां हमेशा इंतज़ार नहीं करतीं। कई बार परिस्थितियां शुरुआत के बाद ही बदलती हैं।दरअसल, शुरुआत शायद ही कभी पूरी तैयारी के साथ होती है। जो विद्यार्थी पहली बार मंच पर खड़ा होता है, वह अनुभवी वक्ता नहीं होता। जो युवा पहली बार प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू करता है, उसके पास शुरुआत में पूरी रणनीति नहीं होती। जो व्यक्ति पहली बार लेख लिखता है, उसकी भाषा में पूर्णता नहीं होती। लेकिन हर विशेषज्ञ कभी न कभी शुरुआती व्यक्ति रहा है।पहला कदम छोटा हो सकता है, लेकिन उसका महत्व छोटा नहीं होता।अक्सर लक्ष्य की दूरी हमें पहला कदम उठाने से रोकती है। हम यह भूल जाते हैं कि लंबी यात्राएं भी छोटे-छोटे कदमों से ही पूरी होती हैं। प्रतिदिन केवल एक घंटा किसी नई चीज को सीखने में लगाना शायद एक दिन में कोई बड़ा परिवर्तन न दिखाए, लेकिन छह महीने या एक वर्ष की निरंतरता उसी एक घंटे को एक बड़ी उपलब्धि में बदल सकती है।समस्या हमेशा समय या संसाधनों की कमी नहीं होती। कई बार समस्या उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल शुरू न करना होती है।आज सीखने के साधन पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं। "कल से शुरू करूंगा" जीवन के सबसे महंगे वाक्यों में से एक हो सकता है।क्योंकि कल आता है तो आज बन जाता है और फिर वही आज अगले कल में बदल जाता है।इस चक्र को तोड़ने का एक ही तरीका है, बड़े लक्ष्य को छोटे काम में बदल देना। किताब लिखनी है तो पहला पृष्ठ लिखिए। परीक्षा की तैयारी करनी है तो पहला अध्याय पढ़िए। स्वास्थ्य बेहतर करना है तो आज कुछ कदम अधिक चलिए।

ग़ज़ल

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं
तुझे ऐ जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं

मिरी नजरें भी ऐसे कातिलों का जान ओ ईमान है
निगाहें मिलती ही जो जान और ईमान लेते हैं

जिसे कहती है दुनिया कामयाबी वाए नादानी
उसे किन कीमतों पर कामयाब इनसान लेते हैं

निगाह-ए-बादा-गुन यूं तो तीरी बातों का क्या कहना
तीरी हर बात लेकिन एहतियातन छान लेते हैं

तबीयत अपनी घबराती है जब सुनसान रातों में
हम ऐसे में तेरी यादों की चादर तान लेते हैं

खुद अपना फैसला भी इश्क में काफी नहीं होता
उसे भी कैसे कर गुजरें जो दिल में ठान लेते हैं

हयात-ए-इश्क का इक इक नफस जाम-ए-शहादत है
वो जान-ए-नाज-बरदारन कोई आसान लेते हैं

तुझे घाटा न होने देंगे कारोबार-ए-उल्फत में
हम अपने सार तीरा ऐ दोस्त हर एहसान लेते हैं

'फ़िराक़' अक्सर बदल कर भेस मिलता है कोई काफ़िर
कभी हम जान लेते हैं कभी पहचान लेते हैं



फ़िराक़ गोरखपुरी
शायर

न्यूज डायरी

आहार प्रकल्प के तहत 450 जरूरतमंदों व भूखे राहगीरों को कराया भोजन



सोनीपत। रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत आर्डेंट की ओर से रविवार को सुभाष चौक पर मासिक सेवा प्रकल्प 'आहार' के तहत करीब 450 जरूरतमंदों और भूखे राहगीरों को भोजन कराया गया। क्लब सदस्यों ने स्वयं भोजन परोसकर मानवता और सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष प्रमोद भूटानी, सचिव सुनील मनचंदा और मीटिंग चेयरमैन दिनेश खुराना मौजूद रहे। क्लब की मोना भूटानी, भारती, रोजी, रेनू, अतुल, सुधीर, सतीश, आशु, संदीप, संजय, गौरव, अभिषेक, राजेश, विशाल, विनीत, ज्योति और शशि पाल सहित अनेक सदस्यों ने भोजन वितरण में सहयोग किया। प्रमोद भूटानी ने कहा कि 'आहार' क्लब का नियमित प्रमुख सेवा प्रकल्प है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्ग की सहायता करना रोटरी की सेवा भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुनील मनचंदा ने सदस्यों का आभार जताया। दिनेश खुराना ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

राजकीय स्कूल प्राचार्य चांदकिशोर ने नैतिक शिक्षा पर दिया जोर



सोनीपत। संसार का सबसे प्राचीन धर्म सत्य सनातन वैदिक धर्म ही है। मजहब, मत, पंथ और संप्रदाय आदि व्यक्ति विशेष की विचारधारा हैं जबकि सनातन वैदिक धर्म वेद की देन है और वेद ईश्वर की वाणी हैं। ये विचार वैदिक प्रवक्ता आचार्य राजकुमार शर्मा ने व्यक्त किए। वे शहर की काठ मंडी स्थित आर्य समाज द्वारा संचालित आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वामी श्रद्धानंद के शताब्दी बलिदान वर्ष पर आयोजित किए गए ऋग्वेद पारायण महायज्ञ के तीसरे दिन यजमानों एवं स्कूली बच्चों को संबोधित कर रहे थे।
कार्यक्रम का शुभारंभ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर तुर्क के प्राचार्य चांदकिशोर ने दीप प्रज्वलित कर किया और बच्चों को नैतिक शिक्षा अपनाने के लिए प्रेरित किया। महायज्ञ के ब्रह्मा राजकुमार शर्मा ने कहा कि वेद सब सत्य विद्याओं का पुस्तक है। वेद का पढ़ना-पढ़ाना और सुनना-सुनाना हम सभी का परम धर्म है। उन्होंने कहा कि ऋग्वेद को दुनिया का सबसे प्राचीन ग्रंथ माना गया है। इससे सिद्ध होता है कि वेद की शिक्षा सर्वमान्य है। स्वामी श्रद्धानंद जैसे आर्यसमाजियों ने महर्षि दयानंद सरस्वती की क्रांतिकारी एवं समाज सुधारक विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम किया। इसीलिए हम उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। महायज्ञ में सम्मिलित हुए 23 यजमान दंपतियों को आर्य समाज की ओर से स्वामी श्रद्धानंद की आत्मकथा कल्याण मार्ग का पथिक और स्मृति चिह्न भेंट किए गए। इस अवसर पर आर्य समाज के प्रधान धर्मप्रकाश दहिया, मंत्री कपिल देव, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार, पुरुषोत्तम दास, विवेक चहल, प्राचार्य नरेंद्र सिंह, सतेन्द्र सरोहा, दिलावर सिंह, जसबीर आदि भी मौजूद रहे।

45वें मेगा स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर में 184 मरीजों ने लिया लाभ



सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, श्री श्याम बालाजी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत एक्सीलेंस और कृष्णा देवी श्याम मिष्ठान भंडार के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, गढ़ी घसीटा में 45वां मेगा स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 184 मरीजों की जांच की गई और 15 समाजसेवियों ने रक्तदान किया। सेफ इंडिया फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला व चेयरमैन वाईके त्यागी ने बताया कि संस्था हर महीने के पहले रविवार को जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाती है। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश महामंत्री अनिल गुप्ता व जिला अध्यक्ष एडवोकेट अरविन्द मित्तल ने बताया कि डॉक्टर राजेश सिंघल, डॉक्टर रामावतार व डॉक्टर अल्पना सिंघल ने 62 मरीजों की जांच की। कैंप इंचार्ज बलराज वशिष्ठ, संगीता मंगला, हरि कौशिक, नरेश कंसल, दीपक गुप्ता, मोहित, रणवीर, गौतम, प्राची, अविनाश सेठी, विवेक गर्ग, प्रवीन गोयल घी, उमा गोयल, रूबी मित्तल, सुशील गोयल, कैलाश पाराशर, प्रियांशु वशिष्ठ, कुणाल व सुहान ने सहयोग किया।



भैंसवाल कलां में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

गोहाना। सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गांव भैंसवाल कला में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा महिला जिला अध्यक्ष रीना शर्मा थीं। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी सुशीला देवी व सुपरवाइजर सविता ने महिलाओं को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म निभाई गई और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत बेटी जन्मोत्सव मनाकर बेटियों के सम्मान का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि रीना शर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निर्मला देवी, मुकेश, रेखा, प्रियंका व सुदेश मौजूद रहीं।

नगर निगम समस्या समाधान समिति के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ

जाट जोशी जल्द नगर निगम से संबंधित समस्याओं से मुक्त होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम के अंतर्गत आने वाला गांव जाट जोशी जल्द नगर निगम से संबंधित सभी समस्याओं से मुक्त होगा। विभिन्न समस्याओं के समाधान और गांव के विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए नगर निगम समस्या समाधान समिति के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। समिति गठन को लेकर रविवार को बैठक की गई। जिसमें समिति के मुख्य सलाहकार रक्षक सेना प्रमुख मंजीत तिहाड़ा, रंजीत मलिक रायपुर, मोहन आंतिल पटेल नगर और हरिचरण कौशिक राई शामित हुए। उन्होंने ग्रामीणों से समिति के माध्यम से समस्याओं के समाधान का प्रयास करने व एकजुट होकर कार्य करवाने का आह्वान किया। साथ ही भविष्य में नगर निगम से संबंधित मुद्दों पर सहयोग का आश्वासन भी दिया। नगर निगम अधिकारियों की मानें, तो इसी तर्ज पर निगम में



सोनीपत। रेलवे रोड स्थित नगर निगम कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

शामिल अन्य गांवों, शहरी सेक्टरों और सभी कॉलोनियों में भी समितियों का गठन करने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद जिला स्तर और योजनानुसार प्रदेश स्तर पर समिति गठित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। समिति का उद्देश्य नगर निगम क्षेत्र में शामिल गांवों व शहरी क्षेत्रों के विकास के साथ लोगों की समस्याओं का समाधान करवाना रहेगा। इसी को लेकर रविवार को जाट जोशी में हुई बैठक में ग्रामीणों ने नगर निगम समस्या समाधान समिति के गठन और गांव की मौजूदा समस्याओं पर अपने विचार रखे। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 11 अक्तूबर को सुबह 11 बजे जाटों वाली चौपाल में दोबारा बैठक होगी। इसमें समिति के कार्यालय, पदाधिकारियों और पूर्ण कार्यकारी समिति के गठन की घोषणा की जाएगी। समिति का गठन ग्रामीणों की पूर्ण जानकारी और सहमति से करने पर जोर दिया गया, ताकि गांव के लोग एकजुट होकर विकास कार्यों में अपना सहयोग दे सकें।

हर परिवार तक जानकारी पहुंचाने को अस्थायी कमेटी गठित

इस दौरान अगली बैठक की जानकारी गांव के प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने के लिए 9 सदस्यों की अस्थायी कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी में महेंद्र फौजी, रोहतास मलिक, मुकेश मलिक, भक्त राजेंद्र दास, सतीश समाजसेवी, प्रदीप, नफे सिंह हुड्डा, कृष्ण हुड्डा व जयवीर हुड्डा को शामिल किया गया है। यह कमेटी 11 अक्तूबर तक घर-घर जाकर लोगों को बैठक में शामिल होने का निमंत्रण देगी और मुनादी करवाने सहित बैठक की व्यवस्थाएं संभालेगी। इसके बाद 11 अक्तूबर को नगर निगम समस्या समाधान समिति की पूर्ण कार्यकारी कमेटी का गठन किया जाएगा। इसमें 21 चेयरपर्सन होंगे, जो ग्रामीणों की सहमति से एक अध्यक्ष और चार उपाध्यक्ष चुने जाएंगे।

परियोजना वर्कर्स ने मंत्री के पीए को सौंपा ज्ञापन



गोहाना। मंत्री के पीए को ज्ञापन सौंपते हुए परियोजना वर्कर्स व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रविवार को जिले की परियोजना वर्करों ने विभिन्न मांगों को लेकर लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह में बैठक की। बैठक के बाद वर्कर्स ने कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा के नाम उनके कार्यालय में जाकर पीए सुनील शर्मा को मांग पत्र सौंपा। बैठक की अध्यक्षता सीटू जिला अध्यक्ष अनीता ने की और संचालन सविता ने किया। सीटू जिला सचिव सुनीता ने कहा कि आंगनवाड़ी, मिड-डे मील और एनएचएम जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं और बच्चों तक स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा से जुड़ी सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। इन योजनाओं में बड़ी संख्या में महिलाएं काम कर रही हैं लेकिन उन्हें मिलने वाली प्रोत्साहन राशि महंगाई और काम की जिम्मेदारियों के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। उन्होंने परियोजना वर्करों को स्थाई कर्मी बनाने की मांग की। अनीता ने कहा कि वर्करों को महंगाई के अनुसार न्यूनतम 42 हजार रुपये वेतन दिया जाए। मिड-डे मील वर्कर्स को साल के 12 महीने वेतन दिया जाए। आशा वर्कर्स के लिए घोषित 1,500 रुपये की बढ़ोतरी तुरंत लागू कर एरियर समेत भुगतान किया जाए।

महाराजा अग्रसेन की जयंती पर गन्नौर में होंगे कार्यक्रम

गन्नौर। महाराजा अग्रसेन की जयंती के अवसर पर गन्नौर में दो दिवसीय धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि 10 अक्टूबर को शाम सात बजे नई अनाज मंडी स्थित महाराजा अग्रसेन चौक पर "एक दीपक अपने पितरों के नाम" कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। श्रद्धालु दिवंगत पितरों की स्मृति में दीप प्रज्वलित कर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। 11 अक्टूबर, रविवार को सुबह छह बजे श्री सनातन धर्म मंदिर, अग्रसेन परिसर से भव्य प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसमें महाराजा अग्रसेन जी का दरबार, माता रानी का दरबार, डीजे एवं बैंड, बाहुबली हनुमान तथा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कार्यक्रम में में प्रेम चंद गोयल व सुरेश मित्तल का पावन सानिध्य रहेगा। मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र कादियान और मेयर राजीव जैन होंगे। विशिष्ट अतिथियों में नगर पालिका अध्यक्ष अरुण त्यागी, मार्केट कमेटी चेयरमैन निशांत छोकर व वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक शामिल रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, युवा अग्रवाल सम्मेलन एवं महिला अग्रवाल सम्मेलन की गन्नौर इकाइयों द्वारा किया जाएगा।

मोटरसाइकिल चोरी के मामले में आरोपित गिरफ्तार चोरीशुदा बाइक बरामद

सोनीपत। थाना सेक्टर-27 पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में आरोपित राहुल उर्फ बाबा निवासी विकास नगर, सोनीपत को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार गांव सैनीपुरा निवासी टिंकू ने 1 अक्टूबर को शिकायत दी थी कि 22 सितंबर को उसकी मोटरसाइकिल सिविल अस्पताल सोनीपत परिसर से किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर ली। शिकायत के आधार पर थाना सेक्टर-27 में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच कर रहे मुख्य सिपाही सोमबीर ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए राहुल उर्फ बाबा को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस ने आरोपित को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

ब्लॉक किए गए पद खुलवाने को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन



गोहाना। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन (एसो.) हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को बरोदा हलका के कांग्रेस विधायक इंदुराज नरवाल को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ज्ञापन सौंपने के लिए विधायक के गांव रिंढाना स्थित निवास पर पहुंचा और मॉडल ऑनलाइन तबादला पॉलिसी एमपीएचडब्ल्यू वर्ग के ब्लॉक किए गए पदों को खुलवाने के लिए विधानसभा में उनकी मांग उठाने की अपील की। एसो. प्रदेश महासचिव सहदेव आर्य, जिला सचिव नवीन नरवाल और मुंडलाना खंड सचिव मोहित वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मॉडल ऑनलाइन तबादला पॉलिसी में रेशनेलाइजेशन के नाम पर एमपीएचडब्ल्यू वर्ग के सैकड़ों पदों को ब्लॉक कर दिया गया। सरकार का यह निर्णय कर्मचारियों के हितों के साथ-साथ जनसामान्य के स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ है। योगेन्द्र, अशोक, प्रीतम शर्मा और राकेश ने कहा कि सरकार द्वारा पारदर्शी तबादला नीति के तहत प्रदेश के कर्मचारी वर्ग को तबादलों के लिए सिफारिशों से मुक्ति एवं घर के नजदीक पसंद के स्टेशन प्रदान करने का वादा करते हुए ऑनलाइन तबादला नीति जारी की गई थी। लेकिन अब सरकार द्वारा इस पॉलिसी में रेशनेलाइजेशन के नाम पर सैकड़ों पदों को ब्लॉक कर दिया गया। कर्मचारियों ने मॉडल ऑनलाइन तबादला पॉलिसी में सभी स्वीकृत पदों खोलने और ऐच्छिक अवसर प्रदान करने की मांग की। कर्मचारियों ने कहा कि प्रदेश में आबादी एवं नॉर्म आधारित पद सृजित करते हुए खाली पदों पर नियमित भर्ती की जाए।

न्यूज डायरी

समाजसेवी ललित तूशीर की पहल पर निःशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर



राई। कुंडली नगर पालिका के वार्ड नंबर 7, टीडीआई टस्कन सिटी, में समाजसेवी ललित तूशीर की पहल पर निशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। जिसमें करीब 130 लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराई और चिकित्सकों से परामर्श लिया। शिविर के दौरान लोगों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं की जांच कर चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में चिकित्सकों के रूप में डॉ. नैंसी शर्मा और डॉ. सोनाली शर्मा मौजूद रहीं। उन्होंने शिविर में पहुंचे लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को सुना और आवश्यक परामर्श दिया। ललित तुशीर ने कहा कि जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक सुविधाएं और सहयोग पहुंचाया जाए। कार्यक्रम में सूरज भारद्वाज, हर्ष भारद्वाज, मनजीत राणा, कपिल अरोड़ा, रोहतास शर्मा, जगबीर तुशीर, अभय निक्कन, सतबीर पंडित, वीरेंद्र , मोहित मुडगिल, सुरेश शर्मा, सुंदर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। ललित तुशीर ने शिविर में सहयोग देने वाले चिकित्सकों, सहयोगियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस भवन में असंगठित कामगार कांग्रेस की बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन



सोनीपत। कांग्रेस भवन में असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस की कार्यकारिणी बैठक जिला ग्रामीण अध्यक्ष सतीश प्रकाश मलिक की अध्यक्षता में हुई। मंच संचालन प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम कुमार जांबाज ने किया। बैठक में नवनियुक्त जिला प्रभारी सुमित छिकारा का कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार जसविंदर सिंह ने कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन मजबूत होगा और कामगारों के अधिकारों की लड़ाई तेज होगी। बैठक में उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन पर चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने निर्वाचन आयुक्तों को कानूनी छूट देने वाले प्रावधान को समाप्त करने की मांग की। उन्होंने इसे समानता के अधिकार के विरुद्ध बताते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की। बैठक में संगठन विस्तार और आगामी रणनीति पर भी चर्चा हुई। असंगठित क्षेत्र के कामगारों को जोड़ने के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। प्रदेश महासचिव सावित्री मलिक, रेखा राणा, प्रदेश सचिव सुनील टांक, प्रवक्ता अमित त्यागी, कामरेड रामफल, सलीम, टिंकू सोलंकी, बलबीर सिंह चौहान, राजेन्द्र, वेदपाल, डॉ. नितिन तनेजा और रेखा सोलंकी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नरबीर काला को मिली इनेलो किसान प्रकोष्ठ हलका अध्यक्ष की जिम्मेदारी



खरखौदा। लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में इनेलो कार्यकताओं की बैठक हलका प्रधान बलवान नंबरदार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई और 27 सितंबर को नूंह में आयोजित रैली में शामिल हुए कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में सोनीपत जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अनूप दहिया, प्रीतम, राजू धानक, सत्यवीर आर्य, जोरावर सिंह, अजय गोपालपुर सहित अनेक इनेलो कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के दौरान नरबीर काला को खरखौदा हलके के किसान प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। हलका प्रधान बलवान नंबरदार ने नवनियुक्त किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष नरबीर काला को फूलमाला पहनाकर शुभकामनाएं दीं। कार्यकताओं ने भी उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत और पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अनूप दहिया ने भारतीय जनता पार्टी तथा कांग्रेस पर निशाना साधते हुए विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बात रखी।

समाज कल्याण संगठन ने विभिन्न किस्मों के 34 पौधे रोप दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



गोहाना। अक्तूबर माह में मिट्टी में मौजूद नमी का लाभ उठाते हुए पूरे महीने पौधरोपण किया जा सकता है। पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल भी जरूरी है। यह बात समाज कल्याण संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने रविवार को रोहतक रोड पर पौधारोपण अभियान के दौरान कही। संगठन की ओर से चलाए जा रहे गोहाना ग्रीन सिटी अभियान के तहत रोहतक रोड पर 34 पौधे लगाए गए। इनमें चंपा, जामुन, नीम और जंगली जलेबी के पौधे शामिल हैं। अभियान के दौरान एक पौधा सूखा हुआ भी मिला। इस मौके पर सुरेश कुमार, अनिल, मनोज, अभिमन्यु शर्मा, बलजीत जांगड़ा, पवन, सुभाष, सोनू और जगदीश मौजूद रहे।

श्री राम परिवार की ओर से हरिनाम संकीर्तन और रामकथा का आयोजन



सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से दुर्गा माता निर्भय मंडल, ककरोई रोड पर श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री ईशान वधवा ने रामकथा का वर्णन करते हुए हनुमान जी के पराक्रम और लंका विजय का प्रसंग सुनाया। समुद्र लांघकर हनुमान जी ने माता सीता की खोज की और लंकिनी को परास्त कर लंका में प्रवेश किया। अशोक वाटिका में माता सीता को श्रीराम की मुद्रिका देकर उन्हें विश्वास दिलाया कि श्रीराम जल्द लंका पहुंचेंगे। इसके बाद हनुमान जी ने अक्षय कुमार का वध किया और रावण के दरबार में निर्भीकता से संवाद किया। कार्यक्रम में पवन सहगल, शाम रहेजा, सूरज कांत, राकेश बहल, ललित बत्रा, महेश पांडे, महेश, जतिन, अमित, ईशांत, अशोक, भोजदत्त, लाजपत नासा, हंसराज, दिनेश, अश्विनी, विजय, राजन मनचन्दा, धीरज, वेद और भूषण उपस्थित रहे।

कथा

सेक्टर-14 स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का दूसरा दिन

श्रद्धालुओं को राजा परीक्षित संवाद व शुकदेव जन्म का सुनाया प्रसंग

■ कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने नृत्य कर भजनों की रसधारा में डुबकी लगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत





सोनीपत। महाराजा अग्रसेन भवन में श्रीमद्भागवत कथा सुनाते कथावाचक आचार्य शिवकुमार अत्री, सोनीपत महाराजा अग्रसेन भवन में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करते श्रद्धालु।

सेक्टर-14 स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में श्रीराम ज्योतिष पीठ व दी महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का रविवार को दूसरा दिन रहा। वृंदावन से कथावाचक आचार्य शिवकुमार अत्री ने राजा परीक्षित संवाद, शुकदेव जन्म सहित अन्य प्रसंगों का वर्णन सुनाया। यजमान के रूप में सुबह मुकेश सिंगला, वैभव सिंगला, अनु व सिमरन ने बेदी पूजन किया। शाम को प्राचीन सिद्धपीठ श्री ठाकुर द्वारा पंचायती मंदिर व श्री रामलीला सभा, कामी रोड के सदस्यों ने दीप प्रज्वलन कर कथा का शुभारंभ किया। कथावाचक ने शुकदेव परीक्षित संवाद का वर्णन करते हुए कहा कि एक बार परीक्षित महाराज वन में चले गए। उनको प्यास लगी, तो समीक ऋषि से पानी मांगा। ऋषि समाधि में थे, इसलिए पानी नहीं पिला सके। परीक्षित ने सोचा कि साधु ने अपमान किया है। उन्होंने मरा हुआ सांप उठाया और समीक ऋषि के गले में डाल दिया। यह सूचना पास में खेल रहे बच्चों ने समीक ऋषि के पुत्र को दी। ऋषि के पुत्र ने शाप दिया कि आज से सातवें दिन तक्षक नामक सर्प आएगा और राजा को जलाकर भस्म कर देगा। समीक ऋषि को जब यह पता चला, तो उन्होंने दिव्य दृष्टि से देखा कि यह तो महान धर्मात्मा राजा परीक्षित हैं। यह अपराध इन्होंने कलियुग के वशीभूत होकर किया है। समीक ऋषि ने जब यह सूचना जाकर परीक्षित महाराज को दी, तो वह अपना राज्य अपने पुत्र जन्मेजय को सौंपकर गंगा नदी के तट पर पहुंचे। वहां बड़े ऋषि, मुनि देवता आ पहुंचे और अंत में व्यास नंदन शुकदेव वहां पहुंचे। शुकदेव को देखकर सभी ने खड़े होकर उनका स्वागत किया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने नृत्य कर भजनों की रसधारा में डुबकी लगाई। कथा में टीकाराम मित्तल, ओमप्रकाश, अरुण कुमार जैन, प्रेस सचिव पंडित अमित शौनक, राजेंद्र कुच्छल, मनोज गर्ग, सुभाष चंद्र, देवेंद्र कुच्छल, महताब खत्री, महेंद्र मंगला, अमित कुच्छल, प्रदीप बंसल, ओडी गर्ग, पवन अग्रवाल मौजूद रहे।

पुरखास मंडल में सेवा संकल्प अभियान के दौरान कलश यात्रा में अधिक भागीदारी का आह्वान



गन्नौर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं सोनीपत लोकसभा क्षेत्र में मन की बात कार्यक्रम के संयोजक आजाद सिंह नेहरा ने रविवार को गन्नौर विधानसभा के पुरखास मंडल की मासिक बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा आगामी गतिविधियों को लेकर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए गए। आजाद सिंह नेहरा ने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से 7 अक्टूबर को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय सेवा संकल्प कलश यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से यात्रा को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियां निभाने की अपील की। बैठक में मंडल अध्यक्ष संजय गौतम, महिला मोर्चा की पूर्व जिला महामंत्री शकुंतला राठी, एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष लज्जेराम, सचिव सुनील यादव, ईश्वर सिंह, मंडल महामंत्री मंगल सिंह व सुखबीर प्रजापति, उपाध्यक्ष वेद फौगाट, युवा मोर्चा अध्यक्ष पवन शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोल्ड विजेता गुमड़ की बेटी किरण के स्वागत के लिए उमड़ा समर्थकों का हुजूम

घर पहुंचते ही दादी को पहनाया मेडल माता ने तिलक कर दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

आईची-नागोया एशियन गेम्स-2026 में 4x400 मीटर रिले में गोल्ड जीतने के बाद गुमड़ की बेटी किरण पहल रविवार को जब गांव पहुंचीं तो माहौल किसी बड़े उत्सव से कम नहीं था। भिगान टोल प्लाजा से ही ग्रामीणों और समर्थकों का हुजूम उनके स्वागत के लिए उमड़ पड़ा। स्वागत किया। किरण ने भी ग्रामीणों का अभिवादन स्वीकार किया। घर पहुंचने पर उन्होंने सबसे पहले अपनी दादी को एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल पहनाया। मां माया देवी ने बेटी का तिलक कर आशीर्वाद दिया। परिवार के लिए यह पल भावुक करने वाला था। कार्यक्रम में दादी रिशाली देवी, माँ माया देवी, भाई रविंद्र पहल, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज, मार्केट कमेटी के अध्यक्ष निशांत छोक्कर, सरपंच प्रतिनिधि रविंद्र पहल, ब्लॉक अध्यक्ष अनिल कुमार, कपिल पंद्याल, अमित बत्रा, दिनेश गोस्वामी, अजित पहलवान, नरेंद्र यादव, गुरमेल, अनिल पहलवान, धर्मबीर नंबरदार, टोल मैनेजर सूरज शर्मा, रविंद्र पहल कब्बडी, शिव शर्मा, अजय भारद्वाज, प्रीतम सिवाच, धीरज पहलवान, अंकित मल्होत्रा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।



गन्नौर। गुमड़ की बेटी किरण पहल का विधायक देवेंद्र क़ादियान व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

400 मीटर में पिछड़ीं तो परिवार ने बढ़ाया हौसला

किरण पहल ने बताया कि एशियन गेम्स की 400 मीटर स्पर्धा में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाने से वह निराश थीं। उन्हें लग रहा था कि देश की उम्मीदें उनसे जुड़ी हैं। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने बारी-बारी से बात कर हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अभी एक मौका और है, कुछ करके दिखाना है।

अब ओलंपिक में मेडल की उम्मीद: बड़ौली

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं चेयरमैन मोहनलाल बड़ौली ने किरण को बधाई देते हुए कहा कि एशियन गेम्स में गोल्ड जीतना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि हरियाणा की खेल नीति से ग्रामीण और सामान्य परिवारों के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

मौका मिले तो कमाल कर सकती है: कादियान

गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि किरण की सफलता के पीछे परिवार और कोच का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि किरण ने उन बेटियों के लिए रास्ता दिखाया है, जिन्हें कभी घर की चौखट तक सीमित समझा जाता था।

एशियन गेम्स की स्वर्णिम बेटियों से मिले विधायक, सम्मानित कर बढ़ाया हौसला



सोनीपत। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाली महिला हॉकी खिलाड़ी साक्षी राणा और ज्योति से विधायक निखिल मदान ने मुलाकात की। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। निखिल मदान ने कहा कि साक्षी राणा और ज्योति ने महिला हॉकी में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतकर सोनीपत, हरियाणा और देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों की सफलता मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उनकी उपलब्धि युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायक है। निखिल मदान ने बताया कि साक्षी राणा के पिता सतपाल राणा टीकाराम गर्ल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रावास में कैंटीन चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते रहे हैं। वहीं ज्योति रामावत के पिता का बचपन में ही निधन हो गया था और दो वर्ष पहले उनकी माता भी चल बसीं। इसके बाद उनकी दादी मूर्ति देवी ने उनका पालन-पोषण किया और उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। निखिल मदान ने कहा कि दोनों खिलाड़ी सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने बताया कि दोनों को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त प्रशिक्षक प्रीतम सिवाच ने प्रशिक्षण दिया है। भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान भी सराहनीय है। इस अवसर पर साक्षी राणा के पिता सतपाल राणा, उनकी पत्नी राजकुमारी, चाचा संदीप राणा, पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रोहित राणा सहित खेल प्रेमी मौजूद रहे।

एशियन गेम्स में भारतीय पहलवानों ने मचाई धूम : देवेंद्र



गोहाना। एशियन गेम्स: 2026 में भारतीय पहलवानों ने अपने खेल कौशल से पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है। देश की माटी के पहलवानों ने खेलों में पदक जीतकर एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भारतीय खिलाड़ी प्रतिभा के धनी हैं। यह बात भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) प्रोटोकॉल कमेटी के चेयरमैन गांव मदीना निवासी देवेंद्र शर्मा ने कही। चेयरमैन देवेंद्र शर्मा ने कहा कि एशियन गेम्स में फ्री स्टाइल कुश्ती में अमन सहरावत ने 57 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक, सुजीत कलकल ने 65 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक, दीपक पूनिया ने 97 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक, ग्रीको रोमन कुश्ती में नितेश कुमार ने 97 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक, सुनील मलिक ने 87 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक और अंतिम पंघाल ने 53 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक हासिल करके पूरी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया है। देवेंद्र शर्मा ने कहा कि डब्ल्यूएफआई का प्रयास है कि देश में हमेशा उच्च कोटि के कुश्ती खिलाड़ी तैयार हों और हमारे खिलाड़ी वैश्विक पटल पर देश शानदार तरीके से देश का प्रतिनिधित्व करें।

कई दिनों से कूड़ा नहीं उठाने पर कॉलोनीवासियों ने किया प्रदर्शन

सोनीपत। म्यूर विहार कॉलोनी में कई दिनों से जेवीएम कंपनी की ओर से कूड़ा नहीं उठाए जाने से परेशान निवासियों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। कॉलोनीवासियों ने कूड़े की गाड़ी आने पर आवाज लगाई, लेकिन चालक ने गाड़ी नहीं रोकी। इसके बाद उन्होंने जिला पार्षद संजय बड़वासनिया एवं निगम पार्षद दीपमाला से शिकायत की। सूचना के बाद संजय बड़वासनिया मौके पर पहुंचे और कॉलोनीवासियों के साथ कूड़े के पास प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पूरी संख्या में कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां नहीं आने से जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा है। गाड़ियों पर लगाए गए हेल्पर भी नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वार्षिक कर देने के बावजूद कूड़ा उठाने के लिए पर्ची काटी जा रही है, जबकि निगम की ओर से पर्ची नहीं काटने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने पर्ची काटने वालों पर कार्रवाई और राशि की वसूली की मांग की। संजय बड़वासनिया ने चेतावनी दी कि कूड़ा समय पर नहीं उठा तो निगम गेट पर कूड़ा लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने ठेकेदार से सभी गाड़ियों पर हेल्पर लगाने की मांग की।



गांव मेरा बाकीपुर में जिंदल यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने लगाया जन चेतना शिविर



गन्नौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर शुरू किए गए सेवा संकल्प अभियान के तहत गांव मेरा बाकीपुर में जिंदल यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने दूसरी बार जन चेतना कैंप का आयोजन किया। कैंप में ग्रामीणों की विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं दस्तावेजों से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया। गांव पहुंचने पर सरपंच जयराम शर्मा ने जिंदल यूनिवर्सिटी के छात्रों का स्वागत किया और कैंप की व्यवस्थाओं को संभालने में सहयोग किया। कैंप में किसान कार्ड, फैमिली आईडी, लाड़ो लक्ष्मी योजना, पेंशन, मेरी फसल-मेरा ब्यौरा, लाडली योजना, आपकी बेटी हमारी बेटी योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया। सरपंच जयराम शर्मा ने ग्रामीणों से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ कैंप में पहुंचें। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की।

गुहणा धरना स्थल पर 117वें दिन भी जारी रहा किसानों का धरना



सोनीपत। गुहणा धरना स्थल पर किसानों का धरना रविवार को 117वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर गांव मोहाना, जाजी, गुहणा, भैसवाल, बिलबिलाण और आवली के लोग मौजूद रहे। उन्होंने भाई अभिमन्यु कोहाड़ के स्वास्थ्य का हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ रहने तथा मजबूती से आंदोलन जारी रखने की कामना की। धरना कमेटी के अनुसार, शनिवार देर रात अभिमन्यु कोहाड़ का 72 घंटे बाद अनशन समाप्त करवाया गया। इस दौरान उनकी मुख्यमंत्री नायब सैनी से बातचीत भी करवाई गई। इसके बाद गुहणा और सोहटी धरना कमेटी के प्रतिनिधियों की मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात प्रस्तावित है। सरकार के सकारात्मक रुख के बाद दोनों स्थानों की धरना कमेटियों और किसानों में उम्मीद जगी है कि पावर ग्रिड का कार्य शुरू होने से पहले उनकी मांग के अनुसार जमीन की कीमत उनके खातों में पहुंच जाएगी। किसानों को यह आश्वासन भी दिया गया है कि अंतिम निर्णय होने तक उनके खेतों में कार्य संबंधी गतिविधियां बंद रहेंगी।

जैनपुर में महिला चौपाल, आंगनबाड़ी केंद्र लाइब्रेरी और कम्युनिटी सेंटर का उद्घाटन

■ पीएम नरेंद्र मोदी ने जैनपुर के लोगों को भेजा राम-राम का संदेश : कृष्णा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

जन सेवा संकल्प अभियान के तहत गांव जैनपुर में विधायक कृष्णा गहलावत ने महिला चौपाल, आंगनवाड़ी केंद्र, लाइब्रेरी, बीसी चौपाल एवं कम्युनिटी सेंटर का उद्घाटन किया। विधायक ने ग्रामीणों के साथ जनसंवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। विधायक ने संबंधित अधिकारियों के माध्यम से समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनभागीदारी में विभिन्न गतिविधियां में विधायक कृष्णा गहलावत शामिल हुई । विधायक ने आंगनवाड़ी केंद्र में महिलाओं के साथ आयोजित आंगन मिलन कार्यक्रम में भी भाग लिया। विधायक ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं और नीतियों की जानकारी ग्रामीणों को दी। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष विकास कौशिक, जसपाल अंतिल, सरपंच प्रविंद्र, कुलदीप नांगल पूर्व चेयरमैन मार्केट कमेटी, अनिल अंतिल, महेश त्यागी एडवोकेट, संजीत सबोली, विनोद बैरागी, कुलदीप महामंत्री, देवेंद्र, अनिल सैनी, मोहन त्यागी, मुरारी, त्रिवेंद्र पंडित, ऋषि त्यागी, रामेश्वर पूर्व प्रधान, बाली त्यागी, देवी पंडित, मुनेश त्यागी, धर्मवीर, जयसिंह एडवोकेट आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार के पिता के निधन पर सैलजा व जितेंद्र बघेल ने जताया शोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत



सोनीपत से पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार के पिता डॉ. दिलीप सिंह पंवार के निधन पर रविवार को कांग्रेस नेताओं ने शोक व्यक्त किया। सिरसा से लोकसभा सांसद व वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री कुमारी सैलजा और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी जितेंद्र बघेल सेक्टर-15 स्थित सुरेंद्र पंवार के निवास पर पहुंचे। दोनों नेताओं ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। कुमारी सैलजा और जितेंद्र बघेल ने डॉ. दिलीप सिंह पंवार के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि उनका निधन परिवार के साथ समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। उन्होंने सुरेंद्र पंवार और परिवार के अन्य सदस्यों को ढांढस बंधाया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने दोनों नेताओं का आभार व्यक्त किया। उनके निवास पर कांग्रेस नेताओं के साथ सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के पहुंचने और शोक संवेदना व्यक्त करने का सिलसिला जारी है।

न्यूज डायरी



सैनिकों का सम्मान हमारा कर्तव्य: शर्मा

गोहाना। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। सीमा पर जवान कठिन परिस्थितियों में जागकर देश की रक्षा करता है, तभी करोड़ों देशवासी अपने घरों में चैन की नींद सो पाते हैं। वे गोहाना स्थित अपने कार्यालय में पूर्व सैनिक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि सैनिकों और वीर परिवारों का सम्मान करना समाज का कर्तव्य है। इस अवसर पर प्रेमानंद महाराज, महंत बाबा कमलपुरी महाराज, स्वामी दिव्यानंद महाराज, विधानसभा के डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, संजय महेंद्रा, कपिल बंसल, रमेश खुराना, पार्षद कमलेश, राम कुमार मित्तल, सुनील मेहता, प्रदीप खन्ना और मनी आनंद कालड़ा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



चुनाव सम्मेलन की तैयारियों पर मंथन

सोनीपत। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्करज यूनियन के 59वें स्थापना दिवस और 16वें त्रिवार्षिक राज्य स्तरीय चुनाव सम्मेलन की तैयारियों को लेकर सोमवार को यूनियन कार्यालय में बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष कुलवत्त शर्मा के नेतृत्व में पांच सदस्यीय शिष्टमंडल ने ऋषि गार्डन, मालवीय स्कूल के सामने गोहाना रोड स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और जिला कमेटी के पदाधिकारियों से तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मांगों के समाधान के लिए 20 अक्टूबर से आंदोलन का कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। शिष्टमंडल में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतपाल रावल, प्रदेश उपाध्यक्ष जसमेर लाल शर्मा, ईश्वर सिंह दहिया, जिला चेयरमैन विष्णुदत्त भारद्वाज, जिला प्रधान सुरेन्द्र सिंह, जिला कोषाध्यक्ष सुन्दर सिंह चौहान, पूर्व जिला प्रधान धूप सिंह लाकड़ा, प्रदेश प्रेस सचिव विनोद शर्मा, देवेन्द्र सिंह, सुरेश नैयर और दलीप सिंह मौजूद रहे।



500 बाइकों के साथ पहुंचेंगे कार्यकर्ता: पवन

खरखौदा। विधायक पवन खरखौदा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 7 अक्टूबर को सोनीपत पुलिस लाइन में प्रधानमंत्री के लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें जिला भर से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। खरखौदा क्षेत्र से 500 बाइक सवार कार्यकर्ता एसडीएम कार्यालय से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि 11 अक्टूबर के कार्यक्रम में भी अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने प्रत्येक वार्ड और क्षेत्र के हर गांव में एक पौधा लगाने की इच्छा जताई। इस दौरान मंडल अध्यक्ष नरेश पाराशर, बिजेंद्र जांगड़ा, मुकेश सैनी, कृष्ण, अनिल, गोपाल, बिजेंद्र और विजयपाल पांचाल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।



एक पेड मां के नाम किया पौधरोपण

खरखौदा। खंड के गांव थाना कलां में शनिवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत आँगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगरपालिका खरखौदा वार्ड से पार्षद 6 प्रमोद इंदौरा व महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारी नीलम रंगा उपस्थित रही। पर्यवेक्षक पूजा खरब ने बताया कि सेवा संकल्प अभिमान का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक सरकारी योजनाओं व जन कल्याणकारी सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान 6 माह से अधिक आयु के बच्चों का अन्नप्राशन करवाया गया। प्रसून, काजल आदि गर्भवती महिलाओं की मुख्य अतिथि द्वारा गोद भराई की रस्म करवाई गई 'एक पेड माँ के नाम' मुहिम के तहत पौधारोपण किया गया। आंगनवाडी कार्यकर्ता गीता व आशा वर्कर मोनिका को देकर सम्मानित किया गया प्रशसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

भक्ति

कथा श्रवण का सौभाग्य कई वर्षों के पुण्य कर्मों के बाद मिलता है: मेयर

भागवत कथा का हर वाक्य जीवन में अपनाएं



सोनीपत। कथा वाचक से आशीर्वाद प्राप्त करते मेयर राजीव जैन।

■ परिवार और कारोबार के साथ धर्म व सामाजिक कार्यों के लिए भी समय निकालना चाहिए : जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा कि भागवत कथा के श्रवण का सौभाग्य कई वर्षों के पुण्य कर्मों के बाद मिलता है। इसलिए कथा को पूरे मनोयोग से सुनकर उसके एक-एक वाक्य को जीवन में उतारना चाहिए। यही मोक्ष और कल्याण का मार्ग है। राजीव जैन ने खाटू श्याम मंदिर, एपैक्स ग्रीन और जागृति धाम में आयोजित भागवत कथा में पहुंचकर व्यास गद्दी का आशीर्वाद लिया और धर्मसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भागवत कथा में सभी ग्रंथों का सार निहित है, इसलिए यह सर्वश्रेष्ठ कथा है। जीवन में कोई समस्या आए तो भागवत का अध्ययन शुरू करना चाहिए, इससे समस्याओं का समाधान निकालने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि यह ग्रंथ ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का संदेश देता है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और विष्णु के 24 अवतारों का वर्णन है। मेयर ने कहा कि परिवार और कारोबार के साथ धर्म व सामाजिक कार्यों के लिए भी समय निकालना चाहिए। कथा के समापन पर हवन-यज्ञ कर सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की गई। इसके बाद भंडारा हुआ।

नंदवानी नगर में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

नंदवानी नगर स्थित शिव मंदिर (शिव वाटिका) में रविवार को श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। मंदिर प्रधान सीताराम भारद्वाज ने बताया कि पारंपरिक परिधानों में महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर यात्रा निकाली। पुरुष श्रद्धालु ढोल-बैंड और रथ के साथ शामिल हुए। प्रभु श्रीराम, जय हनुमान, हरे कृष्ण हरे राम, जय शिव शंकर और जय श्रीश्याम के जयकारों से क्षेत्र भक्तिमय हो गया।

कथा व्यास पंडित विनय शर्मा ने विधिविधान से कलश यात्रा का शुभारंभ कराया। यात्रा के समापन पर कथा स्थल पर कलश स्थापित किए गए। आयोजन में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सीताराम भारद्वाज ने बताया कि कथा 4 से 10 अक्तूबर तक प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6:30 बजे तक चलेगी। आगामी दिनों में कथावाचक भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं और भागवत महापुराण के दिव्य प्रसंगों का वर्णन करेंगे।



सोनीपत। नंदवानी नगर में कलश यात्रा के दौरान शामिल श्रद्धालुगण।

ये रहे मौजूद

कलश यात्रा में यजमानों सहित पं. वीरेन्द्र उपाध्याय, शंकुतला देवी, कृष्णा शर्मा, दीक्षा भारद्वाज, बिन्दु उपाध्याय, ओम प्रकाश, अशोक भारद्वाज, भानू प्रताप, सुनील ठक्कर, नन्द लाल, ज्ञान चन्द ठक्कर, सुभाष शर्मा, कृष्णा राजवन्ती, नीरू, बबली, सुनैना, भारती, आरती नीलकण्ठ शर्मा, अमित भारद्वाज, दर्शन आहुजा, अनिल चड्ढा, आनन्द, सुभाष हसीजा, अशोक रेहजा, मनोहर लाल छाबडा, लैहर नाथ भारद्वाज, करण सिंह सेतिया, वीरेन्द्र भुटानी, राजकुमार और पुनित शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

नई पीओएस मशीनों के नाम पर कथित वसूली का मामला, जांच की मांग

सोनीपत। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से संबंधित एक गुमनाम शिकायत पत्र सामने आया है। इसमें राई क्षेत्र के डिपो धारकों को नई पीओएस मशीनें उपलब्ध करवाने के दौरान कथित तौर पर राशि वसूलने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार 25 मई 2025 को पुरानी मशीनें जमा करवाकर नई मशीनें देने की प्रक्रिया में कुछ डिपो धारकों से चार्जर के नाम पर 800 रुपये, एंटीना के 200 रुपये और प्रिंटर रोलर के नाम पर 400 रुपये लिए गए। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कथित राशि लेने के बावजूद कोई सरकारी रसीद या चालान नहीं दिया गया।सामाजिक कार्यकर्ता देवेन्द्र गौतम ने कहा कि आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि विभाग को सोनीपत जिले के सभी डिपो में पीओएस मशीनों के वितरण, संबंधित सामान, निर्धारित शुल्क और रसीदों का रिकॉर्ड जांचना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि शुल्क निर्धारित था तो सरकारी रसीद क्यों नहीं दी गई और यदि शुल्क निर्धारित नहीं था तो राशि किस आधार पर ली गई। गौतम ने कहा कि अनधिकृत वसूली प्रमाणित होने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई और राशि वापसी सुनिश्चित की जानी चाहिए।